

पहला रियूजेबल भारतीय हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई 1 लॉन्च

बढ़ता राजस्थान

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने शनिवार (24 अगस्त) को अपना पहला रियूजेबल हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई 1 लॉन्च किया। चेन्नई के थिरुविदधई से मोबाइल लॉन्चर के जरिए रॉकेट को लॉन्चिंग हुई। रॉकेट को तमिलनाडु बेस्ड स्टार्टअप स्पेस जॉन इंडिया और मार्टिन ग्रुप ने मिलकर बनाया है।

हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई 1

के जरिए 3 क्यूब सैटेलाइट और 50 पीआईसीओ सैटेलाइट को सबऑर्बिटल ट्रेजेक्टरी में भेजा गया। ये सैटेलाइट ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज से जुड़े रिसर्च के लिए डेटा इकट्ठा करेंगे। आरएचयूएमआई 1 रॉकेट जेनेरिक फ्यूल बेस्ड हाइब्रिड मोटर और इलेक्ट्रिकली ट्रिगर पैराशूट सिस्टम से लैस है। रॉकेट को फ्लैक्सिबिलिटी और रियूजेबल पर फोकस करते हुए खास तरह से डिजाइन किया गया है।

53 सैटेलाइट सबऑर्बिटल में भेजे गए; ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के रिसर्च में मदद मिलेगी

रॉकेट के कंपोनेंट समुद्र में सुरक्षित लैंड करने में सक्षम

हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई 1 में इको-फ्रेंडली और कॉस्ट इफेक्टिव मैकेनिज्म है। इसमें सीओ2 ट्रिगर पैराशूट सिस्टम लगा है। इसकी मदद से रॉकेट के कंपोनेंट सुरक्षित समुद्र पर वापस लैंड कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष लॉन्च की लागत कम होगी। रॉकेट के कंपोनेंट्स को आसानी से रिकवर किया जा सकता है। रॉकेट का एयर फ्रेम कार्बन फाइबर, ग्लास फाइबर से बना है।

रॉकेट के साथ अंतरिक्ष में भेजी गई तीन क्यूब सैटेलाइट्स एटमॉस्फियर कंडीशन जैसे कॉस्मिक रेडिएशन, यूवी रेडिएशन और एयर ड्रैगलिटी की समीक्षा कर सकेंगे। स्पेस जॉन वन कंपनी के सीईओ आनंद मेगालिंगम ने कहा कि इस रॉकेट की मदद से रेडिएशन स्तर, वाइब्रेशन और तापमान का डेटा इकट्ठा किया जा सकेगा।



इसरो चीफ बोले- 2027 में लॉन्च होगा चंद्रयान-4

चांद से मिट्टी और चट्टान के नमूने लाएंगे: 2028 में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का काम शुरू होगा



बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2027 में चंद्रयान-4 को लॉन्चिंग करेगा। यह बात इसरो चीफ डॉ. एस सोमनाथ ने नेशनल स्पेस डे (23 अगस्त) के मौके पर कही। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-4 का डिजाइन फाइनल हो चुका है। मिशन को सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार है। चंद्रयान-4 चांद की सतह से 3-5 किलो मिट्टी और चट्टान के नमूनों को पृथ्वी पर लाएगा। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच अलग-अलग मांड्यूल होगी। जबकि, 2023 में चंद्रमा पर भेजे गए चंद्रयान-3 में प्रोपल्शन मांड्यूल (इंजन), लैंडर और रोवर तीन मांड्यूल थे। इसरो चीफ ने यह भी बताया कि इंडियन स्पेस स्टेशन का पहला मांड्यूल 2028 में लॉन्च किया जाएगा। जिसमें केवल रोबोट्स भेजे जाएंगे। इस स्टेशन में कुल पांच मांड्यूल बारी-बारी से अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे।

चंद्रयान-4 के 2 मांड्यूल चांद की सतह पर जाएंगे

चंद्रयान-4 मिशन कई स्टेज में पूरा होगा। चांद की कक्षा में पहुंचने के बाद मुख्य स्पेसक्राफ्ट से 2 मांड्यूल अलग होकर सतह पर लैंड करेंगे। दोनों ही मांड्यूल चांद की सतह से नमूने इकट्ठा करेंगे। फिर एक मांड्यूल चांद की सतह से लॉन्च होगा और चांद की कक्षा में मुख्य स्पेसक्राफ्ट से जुड़ जाएगा। नमूनों को धरती पर वापस आने वाले स्पेसक्राफ्ट में ट्रांसफर करके भेजा जाएगा। इसरो के वैज्ञानिक चांद की सतह से नमूने उठाने वाला रोबोट तैयार कर रहे हैं। गहराई तक ड्रिल करने तकनीक पर काम हो रहा है। नमूने इकट्ठा करने के लिए कंटेनर और डीपिंग मैकेनिज्म की तकनीक विकसित की जा रही है।

केरल हाईकोर्ट बोला- मुआवजे से किस्त काटने वाले संवेदनहीन : वायनाड लैंडस्लाइड इंसानी लालच पर प्रकृति के बदले का एक उदाहरण

बढ़ता राजस्थान

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने वायनाड लैंडस्लाइड के पीड़ितों को मिली मुआवजे की राशि से बैंकों की ईएमआई काटने पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने शुक्रवार (23 अगस्त) को कहा कि लोगों में संवेदना खत्म हो चुकी है। हम घटना के मानवीय पहलू से चूक रहे हैं। त्रासदी के पहले हफ्ते में सब रोते हैं। फिर अगले हफ्ते ऐसी हरकतें करते हैं। हाईकोर्ट ने लैंडस्लाइड की घटना पर सरकार को भी फटकार लगाई। जस्टिस एके जयशंकरन नांबियार और जस्टिस श्याम कुमार वीएम की बेंच ने कहा कि वायनाड लैंडस्लाइड इंसानों की उदासीनता और लालच पर प्रकृति की प्रतिक्रिया का एक और उदाहरण है। कोर्ट ने कहा कि त्रासदी के संकेत बहुत पहले दिखाई दिए थे।

राजस्थान में उफनते झरने में बहे 5 लोग सीढ़ियों की रैलिंग पर लटका मिला महिला का शव

बढ़ता राजस्थान

धीनमाल। सुधामाता तीर्थस्थल में शनिवार सुबह आफत की बरसात हुई। सुबह 7-9 बजे के बीच एक घंटे मूसलाधार बरसात से तीर्थ स्थल पर झरने उफान पर बहे। झरने में बहने से एक डुंगरपुर जिले के महिला श्रद्धालु की मौत हो गई। उसका शव सीढ़ियों की रैलिंग पर लटका हुआ मिला। जबकि तीन जनों को पुलिस व स्थानीय दुकानदारों ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पर एडीएम दौलतराम चौधरी, डीएसपी अन्नराजसिंह राजपुरोहित, जसवंतपुर थानाधिकारी प्रतापसिंह मय जांबा मौके पर पहुंचे।

रेस्क्यू तीन श्रद्धालु गुजरात रैफर

पुलिस के मुताबिक, पानी में बहने से डुंगरपुर जिले के जटाऊ निवासी लक्ष्मी (45) पत्नी

प्रेमचंद आहरी की मौत हो गई। पानी उतरने के बाद महिला का शव तीर्थ स्थल पर आवाजाही की सीढ़ियों की रैलिंग पर लटका मिला। जबकि गुजरात निवासी तीन अन्य श्रद्धालुओं को पुलिस व स्थानीय दुकानदारों रेस्क्यू कर बचाया। यह सभी श्रद्धालु जसवंतपुरा के राजकीय चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद गुजरात रैफर किया। यह सभी श्रद्धालु सुबह दर्शन कर पहाड़ी से उतर रहे थे। इसके अलावा कई दुकानदारों का सामान भी पानी में बहा। दोपहर बाद एसपी ज्ञानचंद यादव भी मौके पर पहुंचे।

एक के लापता की आशंका

एसडीआरएफ टीम ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन -पुलिस के मुताबिक पानी के तेज बहाव के दौरान पांच श्रद्धालु के बहने की संभावना है, जिसमें एक महिला श्रद्धालु का शव मिल गया है। जबकि तीन लोगों



को सुरक्षित रेस्क्यू कर दिया है। प्रशासन को एक युवक के मिसिंग होने का संदेह होने पर एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस

टीम ने चट्टानों के बीच झरने में संच ऑपरेशन चलाया, लेकिन कोई नहीं मिला। इसके बाद संच ऑपरेशन को बंद किया।

केन्द्र सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी दी

23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा, एम्प्लॉई को अब कोई कॉन्ट्रिब्यूशन नहीं करना होगा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार न्यू पेंशन स्कीम की जगह अब केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लेकर आई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार, 24 अगस्त को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट बैठक इसे मंजूरी दी गई। यूपीएस एक अप्रैल 2025 से लागू होगी।

यूपीएस से 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा होगा। कर्मचारियों के पास यूपीएस या एनपीएस में से कोई भी पेंशन स्कीम चुनने का ऑप्शन रहेगा। राज्य सरकार चाहें तो इसे वे भी इसे अपना सकती हैं। अगर राज्य के कर्मचारी शामिल होते हैं, तो करीब 90 लाख कर्मचारियों को इससे फायदा होगा

न्यू पेंशन स्कीम से कैसे अलग है यूपीएस

न्यू पेंशन स्कीम में कर्मचारी को अपनी बेसिक सैलरी का 10% हिस्सा कॉन्ट्रिब्यूट करना होता है और सरकार 14% देती है। अब यूपीएस में कर्मचारी को कोई भी कॉन्ट्रिब्यूशन नहीं करना होगा। सरकार अपनी तरफ से कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 18.5% कॉन्ट्रिब्यूट करेगी। एनपीएस के तहत 2004



से अब तक रिटायर हो चुके और अब से मार्च, 2025 तक रिटायर होने वाले कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। जो पैसा उन्हें पहले मिल चुका है या वे फंड से निकाल चुके हैं, उससे एडजस्ट करने

बैठक में पीएम शामिल हुए

कैबिनेट की मीटिंग के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय कर्मचारियों के नेताओं के साथ अपने आवास पर बैठक की। कार्मिक मंत्रालय ने इसके संबंध में 21 अगस्त को एक नोटिस जारी किया गया था। बैठक ऐसे समय पर हुई, जब 2 राज्यों जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पिछले 10 साल में यह पहली बैठक हुई, जिसमें प्रधानमंत्री और केंद्रीय कर्मचारियों की नेशनल काउंसिल थानी जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी के सदस्य थे। बैठक में ओल्ड पेंशन स्कीम, न्यू पेंशन स्कीम और 8वें वेतन आयोग को लेकर चर्चा हुई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बजट पेश करते हुए एनपीएस में सुधार की बात कही थी। वहीं, संसद में पूछे गए एक सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जवाब दिया था कि सरकार ओपीएस बहाली पर कोई विचार नहीं कर रही है।

के बाद भुगतान किया जाएगा। सरकार की तरफ से कॉन्ट्रिब्यूशन 14% से 18.5% बढ़ाए जाने पर पहले साल 6250 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। ये खर्च साल दर साल बढ़ता रहेगा।

मोदी शहंशाह वाला मॉडल चाह रहे थे : राहुल गांधी

कहा : हमने संविधान माथे लगावा दिया; देश में हुनर की कोई इज्जत नहीं



बढ़ता राजस्थान

प्रयागराज (एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी राजा, महाराजा, शहंशाह वाला मॉडल चलाना चाह रहे थे। मैंने मोदी जी को संविधान माथे पर लगाने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन, बता दू कि बीजेपी को मैं अपना गुरु मानता हूँ। उन्होंने मुझे क्या करना है, क्या नहीं करना है, सिखाया।

राहुल करीब 40 मिनट बोले। उन्होंने कहा, धोबी, मोची और बढ़ई का देशभर में नेटवर्क है। इनके हाथों में जबरदस्त स्किल और ताकत है। इनसे हाथ मिलने से ही हवा निकल जाती है।

राहुल शनिवार, 24 अगस्त को प्रयागराज पहुंचे और 'संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने, सुल्तानपुर के मोची रामचैत की कहानी सुनाई। बताया कि उनके हाथों में जबरदस्त हुनर है। वे 40 सालों से मोची का काम कर रहे हैं। लेकिन, उनका कोई सम्मान नहीं करता है। राहुल ने कहा, मोदी जी को मैंने सुना आधा घंटा बोले। उनसे मैंने सवाल पूछा। आप आईटीआई में बढ़ई तैयार कर रहे हो। देश में लाखों बढ़ई हैं, उनसे आप क्यों नहीं तैयार करवा रहे हो। आपको नाई तैयार करना है तो यूपी के नाई से बोल दीजिए वो अपने दुकान में नाई की ट्रेनिंग दे देगा। देश में दस लाख नाई तैयार करने हैं तो देश के नाई को पकड़ो, उससे कहीं लो भइया नाई तैयार करो। 6 महीने में लाखों नाई तैयार हो जाएंगे।

Rajdhani Battery

LUMINOUS
Inverter • UPS • Battery

EXIDE
INDUSTRIES LIMITED

AMARON
LASTS LONG. REALLY LONG.

Deals in:

All Vehicle Battery, inventor & Inverter Batteries & SMF Batteries

Mohd. Islam
9314625427

Mohd. Nasir
9982625427

Email: rajdhanibattery@gmail.com

Tonk Road, Near Gow Shala, Sanganer, Jaipur

